Serving Education for Last 40 Years

NEERAJ®

राजनीति विज्ञान

(Political Science)

N-317

Chapter wise Reference Book Including MCQ's & Many Solved Sample Papers

Based on

N.I.O.S. *Class* – XII

National Institute of Open Schooling

By :
Dr. Naveen Mishra

NEERAJ PUBLICATIONS
(Publishers of Educational Books)

Mob.: 8510009872, 8510009878 E-mail: info@neerajbooks.com
Website: www.neerajbooks.com

MRP ₹ 380/-

CONTENTS

राजनीति विज्ञान

(Political Science)

Based on: **NATIONAL INSTITUTE OF OPEN SCHOOLING – XII**

S.No.	*Chapters*	*Page*
	Solved Sample Paper - 1	**1–7**
	Solved Sample Paper - 2	**1–4**
	Solved Sample Paper - 3	**1–5**
	Solved Sample Paper - 4	**1–6**
	Solved Sample Paper - 5	**1–6**
S.No.	*Chapter*	*Page*
	व्यक्ति एवं राज्य	
1.	राजनीति विज्ञान का अर्थ तथा क्षेत्र	1
2.	राष्ट्र और राज्य	9
3.	समाज, राष्ट्र, राज्य और सरकार में भेद	17
4.	प्रमुख राजनीतिक सिद्धान्त	24
	भारतीय संविधान के मुख्य तत्त्व व्यक्ति एवं राज्य	
5.	भारतीय संविधान की प्रस्तावना तथा मुख्य विशेषताएँ	29
6.	मौलिक अधिकार	34
7.	राज्य के नीति-निर्देशक सिद्धान्त तथा मौलिक कर्त्तव्य	42
8.	भारतीय संघीय व्यवस्था	51
9.	आपात्कालीन प्रावधान	57

S.No.	Chapter	Page
	सरकार की संरचना	
10.	संघीय कार्यपालिका	62
11.	भारतीय संसद	70
12.	भारत का सर्वोच्च न्यायालय	78
13.	राज्यों में कार्यपालिका	83
14.	राज्य विधानमण्डल	89
15.	उच्च न्यायालय और अधीनस्थ न्यायालय	93
16.	स्थानीय शासन : शहरी और ग्रामीण	97
	व्यवहार में लोकतंत्र	
17.	वयस्क मताधिकार : चुनाव प्रक्रिया तथा प्रतिनिधित्व की प्रणालियाँ	104
18.	भारत में चुनाव प्रक्रिया	112
19.	राष्ट्रीय राजनीतिक दल	119
20.	क्षेत्रवाद और क्षेत्रीय दल	122
21.	जनमत तथा दबाव समूह	125
	प्रमुख समकालीन मुद्दे	
22.	सम्प्रदाय, जाति और आरक्षण	133
23.	पर्यावरणीय जागरूकता	137
24.	अच्छा शासन या सुशासन	143
	भारत की विदेश नीति	
25.	मानवाधिकार	150
26.	भारत की विदेश नीति	156
27.	अमेरिका और रूस से भारत के सम्बन्ध	164
28.	भारत और उसके पड़ोसी : चीन, पाकिस्तान और श्रीलंका	172

S.No.	Chapter	Page
	वैकल्पिक मॉड्यूल–I	
	विश्व-व्यवस्था और संयुक्त राष्ट्र	
29.	समकालीन विश्व-व्यवस्था	178
30.	संयुक्त राष्ट्र	187
31.	संयुक्त राष्ट्र शांति बहाली गतिविधियाँ	194
32.	संयुक्त राष्ट्र और आर्थिक तथा सामाजिक विकास	200
	वैकल्पिक मॉड्यूल–II	
	भारत की प्रशासनिक व्यवस्था	
33.	लोक सेवा आयोग	205
34.	केन्द्र, राज्य व जिला स्तरीय प्रशासनिक तंत्र	210
35.	राजनीतिक कार्यकारिणी तथा नौकरशाही	218
36.	लोक शिकायत तथा निर्माण तंत्र	225

■■

Sample Preview of the Solved Sample Question Papers

Published by:

NEERAJ PUBLICATIONS

www.neerajbooks.com

Solved Sample Paper - 1

Based on NIOS (National Institute of Open Schooling)

राजनीति विज्ञान– XII

(Political Science-XII)

N-317

समय : 3 घंटे] **[कुल अंक : 100**

निर्देश– *(i)* इस प्रश्न-पत्र में कुल 54 प्रश्न हैं। *(ii)* सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। *(iii)* सभी खण्डों में वैकल्पिक मॉड्यूल-7A अथवा वैकल्पिक मॉड्यूल-7B के सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए। *(iv)* खण्ड-क *(a)* प्रश्न संख्या 1 से 20 तक बहुविकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है। इन प्रश्नों में दिए गए चार विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प को चुनकर उत्तर के रूप में लिखिए। इनमें से कुछ प्रश्नों में आन्तरिक विकल्प प्रदान किया गया है। ऐसे प्रश्नों में आपको केवल किसी एक विकल्प का ही उत्तर लिखना है। *(b)* प्रश्न संख्या 21 से 35 तक 2 अंक वाले वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न हैं। ऐसे प्रत्येक प्रश्न में 1 अंक के दो उपभाग हैं। इन प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशानुसार लिखिए। *(v)* खण्ड-ख *(a)* प्रश्न संख्या 36 से 46 अति लघुत्तरीय प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है जिसका उत्तर 30 से 50 शब्दों में लिखना है। *(b)* प्रश्न संख्या 47 से 52 लघुत्तरीय प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है जिसका उत्तर 50 से 80 शब्दों में लिखना है। *(c)* प्रश्न संख्या 53 और 54 दीर्घ उत्तरीय प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है जिसका उत्तर 80 से 120 राब्दों में लिखना है।

(खंड-क)

प्रश्न 1. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन 'राज्य' के बारे में सही है?

(क) 'राज्य' एक सामाजिक संगठन है
(ख) 'राज्य' एक आर्थिक संगठन है
(ग) 'राज्य' एक राजनीतिक संगठन है
(घ) 'राज्य' एक धार्मिक संगठन है

उत्तर–(ग) 'राज्य' एक राजनीतिक संगठन है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से कौन-सा एक राज्य (देश) नहीं है?

(क) जापान (ख) रूस
(ग) यूनिसेफ (घ) चीन

उत्तर–(ग) यूनिसेफ।

प्रश्न 3. निम्नलिखित में से कौन-सा एक राज्य का अनिवार्य तत्त्व है?

(क) संसद (ख) सरकार
(ग) राजनीतिक दल (घ) नेता

उत्तर–(ग) सरकार।

प्रश्न 4. भारतीय संविधान के कौन-से भाग में मौलिक अधिकार वर्णित है?

(क) भाग I (ख) भाग II
(ग) भाग III (घ) भाग IV

उत्तर–(ग) भाग III

अथवा

संविधान के कौन-से संशोधन द्वारा 'सम्पत्ति के अधिकार' को मौलिक अधिकारों की सूची से हटाया गया?

(क) 42वाँ (ख) 43वाँ
(ग) 44वाँ (घ) 45वाँ

उत्तर–(ग) 44वाँ।

प्रश्न 5. 'स्वतंत्रता के अधिकार' के अंतर्गत भारत का संविधान कितनी स्वतंत्रताओं की गारंटी देता है?

(क) पाँच (ख) छः
(ग) सात (घ) आठ

उत्तर–(ख) छः।

अथवा

गिरफ्तार किए जाने के कितने घण्टों के अन्दर, पुलिस द्वारा गिरफ्तार किसी व्यक्ति को निकट के किसी मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत करना होता है?

(क) 12 घण्टे (ख) 24 घण्टे
(ग) 36 घण्टे (घ) 48 घण्टे

उत्तर–(ख) 24 घण्टे।

प्रश्न 6. किस संवैधानिक संशोधन ने पंचायती राज व्यवस्था को संवैधानिक दर्जा दिया है?

(क) 71वाँ (ख) 73वाँ
(ग) 75वाँ (घ) 77वाँ

उत्तर–(ख) 73वाँ।

अथवा

संविधान के किस संशोधन द्वारा संविधान के अध्याय IV में मौलिक कर्त्तव्यों की नयी सूची को जोड़ा गया?

(क) 40वाँ (ख) 41वाँ
(ग) 42वाँ (घ) 44वाँ

उत्तर–(ग) 42वाँ।

प्रश्न 7. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत 'राष्ट्रीय आपातकाल' घोषित किया जा सकता है?

Solved Sample Paper - 2

Based on NIOS (National Institute of Open Schooling)

राजनीति विज्ञान– XII

(Political Science-XII)

N-317

समय : 3 घंटे] **[कुल अंक : 100**

निर्देश–*(i)* इस प्रश्न-पत्र में कुल 54 प्रश्न हैं। *(ii)* सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। *(iii)* सभी खण्डों में वैकल्पिक मॉड्यूल-7A अथवा वैकल्पिक मॉड्यूल-7B के सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए। *(iv)* खण्ड-क *(a)* प्रश्न संख्या 1 से 20 तक बहुविकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है। इन प्रश्नों में दिए गए चार विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प को चुनकर उत्तर के रूप में लिखिए। इनमें से कुछ प्रश्नों में आन्तरिक विकल्प प्रदान किया गया है। ऐसे प्रश्नों में आपको केवल किसी एक विकल्प का ही उत्तर लिखना है। *(b)* प्रश्न संख्या 21 से 35 तक 2 अंक वाले वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न हैं। ऐसे प्रत्येक प्रश्न में 1 अंक के दो उपभाग हैं। इन प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशानुसार लिखिए। *(v)* खण्ड-ख *(a)* प्रश्न संख्या 36 से 46 अति लघुत्तरीय प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है जिसका उत्तर 30 से 50 शब्दों में लिखना है। *(b)* प्रश्न संख्या 47 से 52 लघुत्तरीय प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है जिसका उत्तर 50 से 80 शब्दों में लिखना है। *(c)* प्रश्न संख्या 53 और 54 दीर्घ उत्तरीय प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है जिसका उत्तर 80 से 120 राब्दों में लिखना है।

(खंड-क)

प्रश्न 1. 'स्वतंत्रता' शब्द की उत्पत्ति किस भाषा के शब्द 'लिबर' से हुई?

(क) ग्रीक (ख) रोमन
(ग) लैटिन (घ) फ्रेंच

उत्तर–(ग) लैटिन।

प्रश्न 2. मार्क्सवादियों के अनुसार राज्य निम्नलिखित में से क्या है?

(क) राजनीतिक दल (ख) वर्ग विशेष का संगठन
(ग) जाति विशेष का संगठन (घ) लोगों का संगठन

उत्तर–(ख) वर्ग विशेष का संगठन।

प्रश्न 3. 17वीं और 18वीं शताब्दी को निम्नलिखित में से क्या कहा जाता है?

(क) ऋणात्मक उदारवाद (ख) धनात्मक उदारवाद
(ग) (क) और (ख) दोनों (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर–(क) ऋणात्मक उदारवाद।

प्रश्न 4. भारत का संविधान कब लागू किया गया?

(क) 26 नवंबर 1949 (ख) 15 अगस्त 1947
(ग) 26 जनवरी 1950 (घ) 15 अगस्त 1950

उत्तर–(ग) 26 जनवरी 1950

अथवा

भारत में आज्ञापत्र किस न्यायालय द्वारा जारी होते हैं?

(क) निम्न (ख) अधीनस्थ
(ग) उच्च (घ) स्वतंत्र

उत्तर–(ग) उच्च।

प्रश्न 5. भारत के संविधान के किस संशोधन द्वारा शिक्षा के अधिकार को मौलिक अधिकारों की सूची में धारा 21(A) के द्वारा संलग्न किया गया है?

(क) 72वें (ख) 82वें
(ग) 86वें (घ) 88वें

उत्तर–(ग) 86वें।

अथवा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति का आरंभ किस वर्ष में किया गया?

(क) 1984 में (ख) 1986 में
(ग) 1988 में (घ) 1990 में

उत्तर–(ख) 1986 में।

प्रश्न 6. समवर्ती सूची में कितने विषय वर्णित हैं?

(क) 97 (ख) 47
(ग) 66 (घ) 91

उत्तर–(ख) 47

अथवा

आतंकवाद विरोधी अधिनियम कब पारित किया गया?

(क) 1959 में (ख) 1978 में
(ग) 2002 में (घ) 2016 में

उत्तर–(ग) 2002 में।

प्रश्न 7. सरकार का प्रमुख कौन होता है?

(क) प्रधानमंत्री (ख) राष्ट्रपति
(ग) मुख्यमंत्री (घ) राज्यपाल

उत्तर–(क) प्रधानमंत्री।

अथवा

भारत के संविधान की व्याख्या करने की अंतिम शक्ति किसके पास होती है?

(क) उच्च न्यायालय (ख) सर्वोच्च न्यायालय
(ग) कार्यपालिका (घ) नगरपालिका

उत्तर–(ख) सर्वोच्च न्यायालय।

Sample Preview of The Chapter

Published by:

NEERAJ PUBLICATIONS

www.neerajbooks.com

राजनीति विज्ञान
(POLITICAL SCIENCE)

व्यक्ति एवं राज्य

राजनीति विज्ञान का अर्थ तथा क्षेत्र

1

NEERAJ PUBLICATIONS

परिचय

राजनीति विज्ञान के इस प्रथम अध्याय में राजनीति विज्ञान का अर्थ समझने का प्रयास किया गया है। पुराने विचारों के अनुसार राजनीति विज्ञान का प्रारम्भ और अन्त राज्य से होता है। दूसरे शब्दों में, राजनीति विज्ञान राज्य और सरकार का अध्ययन करने वाला विषय है। लेकिन आधुनिक मतों के अनुसार राजनीति विज्ञान राज्य और सरकार के साथ-साथ शक्ति और सत्ता का भी अध्ययन करने वाला विषय है। आज के समय में राजनीति विज्ञान का क्षेत्र अत्यन्त व्यापक हो गया है, जिसके अन्तर्गत राज्य और राजनीतिक व्यवस्था, सरकार, शक्ति, मानव और उसके मानव व्यवहार तथा राजनीतिक समस्याओं आदि का भी अध्ययन किया जाता है। इस अध्याय के अन्तर्गत मूलभूत अवधारणा जैसे न्याय तथा नागरिकों के लिए इसके महत्त्व का भी अध्ययन किया गया है। इस अध्याय के अध्ययन के बाद हम राजनीति विज्ञान के अर्थ और परिभाषा को समझ सकेंगे। साथ ही हम राजनीति विज्ञान और राजनीति के बीच के अन्तर को भी हम जान पाएँगे। साथ ही इस अध्याय में राज्य की भूमिका, सरकार की कार्यप्रणाली तथा नागरिकों से सरकार के सम्बन्ध के विषय में राजनीति विज्ञान के क्षेत्र के विषय में भी वर्णन किया गया है। इस अध्याय के अध्ययन के पश्चात् हमें नागरिक और राज्य के लिए न्याय की प्रासंगिकता को जानने में मदद मिलेगी।

प्राचीन यूनानी विचारकों के अनुसार, राजनीति विज्ञान एक राजनीतिक दर्शन है जबकि वे लोग राजनीति के नैतिक पहलुओं पर बल देते हैं। मध्य काल में राजनीति विज्ञान धर्म का एक हिस्सा था तथा राजनीतिक सत्ता धर्म की सत्ता की सहयोगी थी। आधुनिक समय में राजनीति विज्ञान का रूप वास्तविक तथा धर्मनिरपेक्ष हो गया है। पूँजीवाद के जन्म के कारण औद्योगिक क्रान्ति आई, जिसके परिणामस्वरूप राज्य के कार्य परिवर्तित हो गए। राजनीति विज्ञान अब राज्य का एक विशेष विज्ञान का विषय बन गया। यह सरकार के विभिन्न अंगों, जैसे–व्यवस्थापिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका का भी अध्ययन करता है। लॉस्की के अनुसार, राजनीति विज्ञान पुरुष तथा स्त्री के जीवन तथा राज्य के साथ उसके सम्बन्धों का भी अध्ययन करता है। बीसवीं शताब्दी में व्यावहारिक उपागम ने राजनीतिक संस्थाओं के अध्ययन के बदले उनके कार्यों तथा राजनीतिक क्रियाकलापों के अध्ययन तथा महिलाओं और पुरुषों के व्यवहार के अध्ययन पर विशेष बल दिया है। राजनीति विज्ञान और राजनीति दोनों एक-दूसरे से भिन्न हैं। राजनीति विज्ञान का सम्बन्ध राजनीति के अध्ययन से है जबकि राजनीति नागरिकों की समस्याओं, राजनीतिक

www.neerajbooks.com

संघर्ष, क्रिया और शक्ति से सम्बन्धित होती है। शक्ति का अर्थ होता है दूसरों को नियंत्रित करने की क्षमता। शक्ति वह क्षमता होती है, जो दूसरों से अपनी इच्छानुसार कार्य कराती है। शक्ति और वैधता दोनों मिलकर ही सत्ता का रूप प्राप्त करते हैं।

पाठगत प्रश्न 1.1

कोष्ठकों में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(क) राजनीति विज्ञान का सम्बन्ध दोनों ..... और ..... विषयों से है।
(आनुभविक, नियामक, औपचारिक)

(ख) राजनीति विज्ञान ..... और ..... का अध्ययन करता है।
(समाज, राज्य, राष्ट्र, शक्ति, वर्ग)

(ग) पॉलिटिक्स शब्द ..... शब्द से लिया गया है।
(पोलिस, पुलिस, राज्य)

(घ) ..... ने कहा है कि राजनीति का प्रारम्भ तथा अन्त राज्य के साथ होता है।
(गेटेल, गार्नर, लासवेल)

(ङ) ..... ने राजनीति विज्ञान को शक्ति का रूप एवं शक्ति को बांटने का अध्ययन कहा है।
(कप्लान, इस्टन, गार्नर)

उत्तर–(क) आनुभविक, नियामक, (ख) राज्य एवं शक्ति, (ग) पोलिस, (घ) गार्नर, (ङ) कप्लान।

पाठगत प्रश्न 1.2

कोष्ठकों में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(क) ..... ने राजनीति विज्ञान को 'मास्टर विज्ञान' कहा है। *(प्लेटो, अरस्तू, लॉस्की)*

(ख) व्यवहारवादी दृष्टिकोण ने राजनीति विज्ञान के..... .भाग पर विशेष महत्त्व दिया है।
(विज्ञान, दर्शन, राजनीतिक)

(ग) ..... राजनीति को ने अमीर और गरीब वर्ग के बीच संघर्ष बताया है।
(ग्रीक्स, रोमन, मार्क्सवादी)

(घ) व्यावहारिक राजनीति की कला ..... के द्वारा प्राप्त की जाती है।
(ईमानदारी, नैतिकता, चालबाजी)

उत्तर–(क) अरस्तू, (ख) विज्ञान, (ग) मार्क्सवाद, (घ) चालबाजी।

पाठगत प्रश्न 1.3

कोष्ठकों में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(क) 'राज्य' शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम ..... ने किया था। *(प्लेटो, मैक्यावली, कौटिल्य)*

(ख) "स्वतंत्रता" शब्द की उत्पत्ति ..... भाषा के लिवर शब्द से हुई है।
(ग्रीक, रोमन, लैटिन)

(ग) ..... उदारवादी नकारात्मक स्वतंत्रता का समर्थन करते हैं।
(प्रारम्भिक, आधुनिक, इच्छा, स्वतंत्रतावादी)

(घ) ..... की स्वतंत्रता के लिए कुछ लोगों की स्वतंत्रता को कानून द्वारा रोका जाना चाहिए।
(सभी, कुछ)

(ङ) निरंतर ..... स्वतंत्रता का मूल्य है।
(सतर्कता, स्वतंत्रता, आजादी)

उत्तर–(क) मैक्यावेली, (ख) लैटिन, (ग) प्रारम्भिक, (घ) सभी, (ङ) सतर्कता।

पाठगत प्रश्न 1.4

कोष्ठकों में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(क) ..... के अनुसार न्याय राजनीतिक मूल्यों को जोड़ता है। *(प्लेटो, अरस्तू, बार्कर)*

(ख) असमानता का अर्थ ..... नहीं है।
(व्यवहार की पहचान, अवसर की समानता)

(ग) नोजीक के अनुसार न्याय का अर्थ है .....।
(अधिकार, दायित्व, आवश्यकता)

(घ) रॉल्स के अनुसार असमानता स्वीकार्य है, अगर वह ..... को लाभ पहुँचाती है।
(धनी, मध्यम वर्ग, पिछड़ा वर्ग)

(ङ) समानता का अर्थ है ..... ।
(विशेषाधिकार का अभाव, पुरस्कार की पहचान, स्वतंत्रता)

उत्तर–(क) बार्कर, (ख) व्यवहार की पहचान, (ग) अधिकार, (घ) पिछड़ा वर्ग, (ङ) विशेषाधिकार का अभाव।

NEERAJ PUBLICATIONS

www.neerajbooks.com

www.neerajbooks.com

पाठान्त प्रश्न

प्रश्न 1. राजनीति विज्ञान के अर्थ का वर्णन कीजिए।

उत्तर–राजनीति विज्ञान समाज विज्ञान का वह विषय है, जो राज्य की स्थापना तथा सरकार के सिद्धान्तों का अध्ययन करता है। जे.डब्ल्यू. गार्नर का मानना है कि राजनीति विज्ञान का प्रारम्भ और अन्त राज्य के साथ होता है। जबकि आर.जी. गैटेल का मानना है कि राजनीति विज्ञान राज्य के भूत, वर्तमान और भविष्य का अध्ययन करता है। हैरोल्ड जे. लॉस्की के अनुसार, राजनीति विज्ञान का अध्ययन मनुष्य के जीवन और एक संगठित राज्य से सम्बन्धित है। इस कारण समाज विज्ञान के रूप में, राजनीति विज्ञान या शास्त्र समाज में रहने वाले व्यक्तियों के उस पहलू का अध्ययन करता है, जो उनके क्रियाकलापों और संगठनों से सम्बन्धित तथा राज्य द्वारा निर्मित नियम और कानून के अन्तर्गत शक्ति अर्जित करना चाहता है।

राजनीति शब्द की उत्पत्ति ग्रीक भाषा के 'पोलिस' शब्द से हुई है, जिसका अर्थ होता है 'नगर राज्य'। यही कारण है कि कुछ विद्वानों ने राजनीति विज्ञान को राज्य या सरकार के सन्दर्भ में परिभाषित किया है। जबकि यह परिभाषा राजनीति विज्ञान के सन्दर्भ में अपूर्ण है, क्योंकि राजनीति विज्ञान का सम्बन्ध शक्ति से भी होता है। राजनीति विज्ञान के सन्दर्भ में हैरोल्ड डी. लासवेल और इब्राहम कप्लान द्वारा दी गई परिभाषा को ज्यादा उपयुक्त माना जा सकता है, जिसके अनुसार, "यह शक्ति का आकार तथा भाग है।" दूसरे शब्दों में हम कह सकते हैं कि शक्ति का सम्बन्ध राज्य और सरकार दोनों से होता है। राजनीति विज्ञान का सम्बन्ध प्राय: न्यायसंगत शक्ति से होता है। चूँकि विज्ञान का अर्थ होता है किसी घटना का क्रमबद्ध परीक्षण तथा अवलोकन के द्वारा अध्ययन करना, जबकि राजनीति विज्ञान का सम्बन्ध राज्य और शक्ति से होता है, जो प्राय: न्यायसंगत है। इस तरह विज्ञान किसी घटना का क्रमबद्ध परीक्षण तथा अवलोकन के द्वारा अध्ययन करता है जबकि राजनीति विज्ञान राज्य और शक्ति के प्रत्येक पहलुओं का अध्ययन करता है।

इसके अतिरिक्त राजनीति विज्ञान का सम्बन्ध आनुभविक तथ्यों तथा प्राथमिक समस्याओं से भी होता है। वास्तविकता का सम्बन्ध 'क्या है' से होता है, जबकि मूल्य का अर्थ 'क्या होना चाहिए' से होता है। उदाहरण के लिए अगर हम कहते हैं कि भारत में संसदीय प्रजातंत्र है तो इसका अर्थ है कि यह कथन आनुभविक तथ्य पर आधारित है। यह कथन भारत की आज की स्थिति को दर्शाता है। लेकिन अगर हम कहते हैं कि भारत को अध्यक्षात्मक प्रजातंत्र को अपनाना चाहिए तो यह कथन एक नियामक होगा। राजनीति विज्ञान सिर्फ राज्य के वर्तमान क्रियाकलापों का ही अध्ययन नहीं करता बल्कि यह भी बताता है कि उसको परिवर्तित कर कैसे और अच्छा बनाया जा सकता है। आनुभविक कथन अवलोकन पर आधारित होने के कारण सत्य या असत्य हो सकते हैं। लेकिन मूल्यांकनात्मक कथन आवश्यक रूप से नैतिकता पर आधारित होने के कारण कभी भी सत्य या गलत नहीं हो सकता। राजनीतिक दर्शनशास्त्र का सम्बन्ध औपचारिक कथन से होता है। राजनीति विज्ञान का सम्बन्ध आनुभविक कथन से होता है, जो वर्तमान राजनीतिक संस्थाओं तथा व्यवहार का मूल्यांकन करता है, जिससे उसे बेहतर बनाया जा सके।

प्रश्न 2. राजनीति विज्ञान के एक विषय के रूप में इसके विकास पर टिप्पणी लिखिए।

उत्तर–चौथी शताब्दी के पूर्व में ग्रीक लोगों ने सर्वप्रथम राजनीति का क्रमबद्ध अध्ययन प्रारम्भ किया। प्लेटो और अरस्तु जैसे महान दार्शनिकों द्वारा इसे व्यापक रूप से प्रयोग में लाया गया। अरस्तु के अनुसार, राजनीति विज्ञान ही एक प्रमुख विज्ञान है। अरस्तु ने इसके अन्तर्गत न सिर्फ एक राजनीतिक संस्थान नगर-राज्य को शामिल किया बल्कि परिवार, समाज तथा अन्य सामाजिक संगठनों को भी इसके अन्तर्गत शामिल कर लिया। ग्रीक लोगों के अनुसार, राजनीति में सभी गतिविधियाँ शामिल थीं। इस तरह राजनीति के प्रति प्राचीन ग्रीक चिन्तकों का दृष्टिकोण दार्शनिक था। जबकि इसके विपरीत प्राचीन रोमन चिन्तकों के विचारों में राजनीति का वैधानिक पक्ष अधिक महत्त्वपूर्ण था। मध्यकाल में राजनीति विज्ञान धार्मिक आदेशों और धार्मिक संस्थाओं (चर्चों) की ही एक शाखा थी। इस काल में राजनीतिक सत्ता धार्मिक संस्थाओं (चर्चों) के अधीन थी।

सामान्यतया राजनीति का अर्थ दलगत राजनीति से लगाया जाता है, लेकिन राजनीति का क्षेत्र इससे कहीं अधिक व्यापक होता है। यह राज्य और शक्ति का सुव्यवस्थित अध्ययन करने वाला विषय है।

आधुनिक काल में राज्य के आकार में विस्तार के परिणामस्वरूप राजनीति विज्ञान ने एक वास्तविक, व्यावहारिक और धर्मनिरपेक्ष रूप ग्रहण कर लिया। औद्योगिक क्रान्ति के पश्चात् राज्य की भूमिका मात्र आन्तरिक कानून और व्यवस्था बनाए रखने तथा बाहरी आक्रमणों के विरुद्ध सुरक्षा प्रदान करने

NEERAJ PUBLICATIONS

www.neerajbooks.com

www.neerajbooks.com

तक सीमित रह गई। लेकिन नई आर्थिक व्यवस्था, जिसे 'पूँजीवाद' का नाम दिया गया, के जन्म के पश्चात् राज्य के स्वरूप में परिवर्तन आ गया।

दूसरे विश्वयुद्ध की समाप्ति के पश्चात् व्यवहारवादी दृष्टिकोण के रूप में राजनीति विज्ञान के अन्तर्गत एक तीसरी विचारधारा ने जन्म लिया। 1950 तथा 1960 के दशक में अमेरिकी राजनीतिक विज्ञान में व्यवहारवादी आन्दोलन की शुरुआत के परिणामस्वरूप राजनीति के वैज्ञानिक पक्ष पर विशेष बल दिया जाने लगा। प्राकृतिक विज्ञान जैसे भौतिकी तथा वनस्पति विज्ञान की विधियों की तरह वे लोग राजनीति को भी एक नमूना (मॉडल) बनाने के प्रयास में जुट गए।

आनुभविक समस्याओं से प्रेरित होकर व्यवहारवादियों ने एक सिद्धान्त का प्रतिपादन किया। प्रेरक विधि को मानने वाले अवलोकन, परीक्षण तथा अध्ययन के बाद ही किसी परिणाम तक पहुँचते हैं। उदाहरण के रूप में जब कुछ व्यवहारवादियों ने काले अमेरिकीवासियों को प्रजातान्त्रिक दल को मत देते हुए देखा तब वे इस परिणाम तक पहुँचे कि अमेरिका में रहने वाले काले रंग के लोग भी प्रजातंत्रवादियों के पक्ष में मतदान करते हैं।

व्यवहारवादी दृष्टिकोण ने राजनीतिक संस्थाओं एवं उसकी संरचनाओं की गतिविधियों की तरफ से अपना ध्यान हटाकर उनकी कार्यप्रणाली पर अपना ध्यान केन्द्रित किया। यह दृष्टिकोण राजनीतिक गतिविधियों तथा राजनीतिक संस्थाओं को नियन्त्रित करने वाले महिला अथवा पुरुष कर्मियों की गतिविधियों एवं व्यवहार का अध्ययन करने पर विशेष बल देता है। उनके अनुसार व्यवहार के माध्यम से जो राजनीतिक गतिविधियाँ स्पष्ट होती हैं वे ही राजनीतिक विज्ञान की विषय-वस्तु हैं।

राजनीतिक गतिविधियों के अन्तर्गत किसी व्यक्ति द्वारा चुनाव लड़ने की प्रक्रिया शामिल है। इसके अतिरिक्त सरकार द्वारा जारी किसी नीति से प्रभावित होने वाले जनता के किसी वर्ग द्वारा किया जाने वाला आन्दोलन भी इसके अन्तर्गत आता है। विभिन्न व्यक्तियों के द्वारा निजी हितों पर बल देने के परिणामस्वरूप इन गतिविधियों के अन्तर्गत प्रतिस्पर्द्धा, विवाद तथा मतभेद सभी कुछ सम्मिलित होते हैं। इसके साथ ही राजनीति की विभिन्न गुणवत्ता के अन्तर्गत सरकार द्वारा प्रयोग किए जाने वाले भौतिक बल भी इसके अन्तर्गत आते हैं। इनके अतिरिक्त सरकार द्वारा निर्मित सन्तुलन नीतियों तथा उसके प्रभाव भी राजनीति विज्ञान के अध्ययन क्षेत्र के अन्तर्गत आते हैं।

राजनीति को एक ऐसी प्रक्रिया के रूप में जाना जाता है, जहाँ व्यक्ति अथवा समुदाय अपने निर्धारित लेकिन विरोधमूलक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए प्रयत्नशील रहता है। एक प्रक्रिया के रूप में राजनीति स्रोतों को अधिकारपूर्वक निर्धारित करने का प्रयास करता है, जिसे इस्टन ने मूल्य की संज्ञा दी है। यह राजनीतिक संरचनाओं, संस्थाओं, प्रक्रियाओं तथा गतिविधियों का अध्ययन करते हुए बल प्रयोग की संभावनाओं को भी मान्यता प्रदान करता है। उन्नीसवीं शताब्दी के जर्मन दार्शनिक कार्ल मार्क्स के अनुसार, दो वर्गों के ऐसे झगड़े, जिनका समाधान सम्भव न हो, उसका अध्ययन ही राजनीति है। इन दो समूहों में पहला वर्ग शोषित है, जिसके पास निजी सम्पत्ति नहीं है और दूसरा वर्ग शोषक है। मार्क्स का यह भी मानना है कि गरीबों का उद्धार मात्र आन्दोलन के द्वारा ही सम्भव है, जो नीति सम्पत्ति जैसी संस्था को खत्म कर समाज के वर्ग को समाप्त कर देंगे तथा बिना वर्ग के समाज की स्थापना करेंगे। लेकिन मार्क्सवादी विचारधारा के विपरीत राजनीति का एक दूसरा अर्थ भी है, जिसके अनुसार राजनीति झगड़ों को समाप्त कर न्याय प्रदान करता है। इस विचारधारा के अनुयायियों को उदारवादी कहा जाता है। राजनीति की मार्क्सवादी विचारधारा राजनीति की उदारवादी विचारधारा के प्रतिक्रियास्वरूप विकसित हुई है।

प्रश्न 3. राजनीति विज्ञान के कार्यक्षेत्र की राज्य की भूमिका तथा सरकार के कार्यों के सन्दर्भ में व्याख्या कीजिए।

उत्तर–इटली के राजनीतिक मैकियावेली ने आधुनिक सन्दर्भ में सर्वप्रथम राज्य शब्द का प्रयोग किया था। उसी समय से हर राजनीति का राजनीति विज्ञान के अध्ययन के सन्दर्भ में राज्य के अध्ययन पर ही बल देता है। राज्य के प्रमुख चार तत्त्व होते हैं, जैसे

(क) जनता,

(ख) भू-भाग, जहाँ जनता निवास करती है,

(ग) सरकार, जो जनता के लिए कानून बनाती है और

(घ) सम्प्रभुता जिसके अन्तर्गत निर्णय तथा मामलों को व्यवस्थित करने की स्वतन्त्रता प्राप्त होती है।

राज्य के आधार तथा भूमिका के विषय में विभिन्न धारणाएँ हैं। आधुनिक पश्चिमी उदारवादी विचार, सोलहवीं शताब्दी में पश्चिमी यूरोप में वाणिज्यिक क्रान्ति को बढ़ावा दिया गया, जो अठारहवीं शताब्दी में औद्योगिक क्रान्ति के लिए मुख्य प्रेरक स्रोत बना। इन क्रान्तियों के फलस्वरूप नई आर्थिक व्यवस्था का जन्म हुआ, जिसे पूँजीवाद का नाम दिया गया।

बाजार उस स्थान को कहते हैं, जहाँ वस्तुएँ और सेवाएँ खरीदी तथा बेची जाती हैं। माँग और पूर्ति के आधार पर यह

NEERAJ PUBLICATIONS

www.neerajbooks.com